B.Ed. Ist year

Subject :- Teaching of Social Science

Topic :- आधुनिक युग में सामाजिक अध्ययन विषय की महत्ता

⇒ आधुनिक युग में सामाजिक अध्ययन विषय की महत्ता के कारण निम्नवत है —

1 प्राकृतिक विज्ञान तथा विकास का अध्ययन

प्रकृति मनुष्य के शिक्षक के रूप में भी देखते है न कि केवल प्राकृतिक सम्पदा के रूप में ही। प्रकृति की संरचना, मानव समाज के विकास में इसकी भूमिका, प्राकृतिक सम्पदा का महत्व, पर्यावरण व सन्तुलन आदि सामाजिक विषय के अन्तर्गत आते है।

2 अतित पर आधारित घटनाओं का अध्ययन

अतित भूतकाल में घटने वाली सामाजिक घटनाओं का आने वाले समय पर अवश्य प्रभाव पड़ता है। इन घटनाओं का अध्ययन मनुष्य को विश्लेषण के लिए प्रेरणा देता है, जिससे अतीत और वर्तमान के मध्य समन्वय तथा समायोजन बनाने में सहायता मिलती है। इस प्रकार अतीत की घटनाओं का अध्ययन सामाजिक अध्ययन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

3 अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों का अध्ययन

आधुनिक युग अन्तर्राष्ट्रीयता का युग है। दूरसंचार, विश्व व्यापार तथा मानव कल्याण परियोजनाओं की सफलता भी अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों के बिना असम्भव है। इन सबका ज्ञान सामाजिक अध्ययन से ही होता है।

T.T.O.

Scanned with CamScanner

## 4. समाज से सम्बन्धित अध्ययन

सामाजिक अध्ययन के अन्तर्गत समाज के हर पहलू का अध्ययन किया जाता है, व्यक्ति समाज में रहकर विभिन्न क्रियाएँ करता है और भौतिक वातावरण का उस पर समान प्रभाव होता है। इस प्रकार से समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र नागरिकशास्त्र आदि के विषय भी इसके क्षे० का एक भाग है।

## 5. मानवीय सम्बन्धों का अध्ययन

समाज के समस्त अंगों के साथ मनुष्य के सम्बन्धों का अध्ययन ही सामाजिक अध्ययन का क्षेत्र है। मनुष्य का समाज से और समाज का मनुष्य से सम्बन्धों का पता सामाजिक अध्ययन के द्वारा ही किया जाता है। इसलिए मानवीय सम्बन्धों के अध्ययन में सा० वि० का महत्त्व है।

## 6. मानव निर्मित संस्थाओं का अध्ययन

जैसे-२ सभ्यता का विकास हुआ मनुष्य ने विभिन्न सामाजिक संस्थाओं का निर्माण किया। ये मनुष्य द्वारा निर्मित संस्थाएँ उसके सामाजिक सम्बन्धों को नियमित करने व अनुशासित रहने के प्रयत्नों का परिणाम है।

## 7. नागरिकता के गुणों का विकास

सामाजिक अध्ययन के क्षे० में समावेशित विषय-वस्तु से छात्रों में नागरिक गुणों का विकास होता है। छात्रों में अपने कर्त्तव्यों के प्रति जागरूकता, सहानुभूति, पारस्परिक सहयोग, सहनशीलता तथा अनुशासन आदि गुणों को विकसित किया जाता है। और उन्हे आदर्श नागरिक बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा करती है।

Scanned with CamScanner